पर क्षाः गणका मुसका m वस्त्रीरमानाम वहानी क्र हा सम्प्रमाम म पार्त माना स माना होता है। व्यापार माना स माना स माना है। अस्य अत्म संग्रासम् अस्मन ओ अस्ताम कामान्य मन्त्र मन्त्र । २०३२॥ तन की मन्द्रा हे गटन क्रमता अक्षा १ टर्गात्मा के मासाना म्। माना हा म मारनी मार्ग श्रेष मारनी श्रम्। क्र ला पका पुष्प ति था। शा रावका स् ।। ४८॥ २४॥ पन वस्तानकाचे॥ २ च ११ ४ ट ११ २ इम्ड मा गा १ ५ ११ उ ५ ११ की लव के में।। हटा। र ।। कल मा प्ना द्वा। वर्द्धी।। तने एम ॥ १४॥ १६॥ ३०॥ तत्स स्वान्डमल वने। ्यामान लात्या सार्यका मश्च इना ॥ तत्य्या लाला राम्यकाश्चामाण्य वस्त्रमाश्चम्। प्य नदाश स्या। हताया। जणीव शततातका मा हेन न क्या राष्ट्र न ए राष्ट्र का मा ला काम न रहा। त ला मा पन्दलाशस्या २४॥११॥ १ च १ १॥ इ अन्मान मा